प्रदान की जाती है जो देश में समग्र नमक स्टाक की स्थिति पर निर्भर करती है।

टाटा कैमीकल्स लि०, एकमात्र कंपनी जो वैक्युम साल्ट का विनिर्माण करती है , को घरेलू बाजार में वैक्युम आयोडाइस्ड नमक/शुद्ध नमक की बिक्री किए जाने के लिए अस्सी के दशक के मध्य से वर्ष दर वर्ष आधार पर अनुमति दी गई है। उन्हें अन्तिम वार खाने के प्रयोजनार्थ 3.5 लाख टन वैक्युम आयोडाइस्ड नमक तथा चालू वर्ष में औद्योगिक प्रयोजनार्थ 1.00 लाख टन आयोडाइस्ड विहीन वक्युम नमक/शुद्ध नमक की बिक्री की अनुमति दी गई थी।

(ग) और (घ) तात्कालीन केन्द्रीय आवकारी तथा नमक अधिनियम, 1944 के अन्तर्गत नमक विनिर्माण के लिए बहुत से बड़े उद्योगों को लाइसेंस प्रदान किये गये हैं। ऐसे बड़े उद्योगों के नाम जो कि नमक के उत्पादन में कार्यरत हैं, उनके द्वारा वर्ष 1997 में नमक का किया गया उपभोग/उनके द्वारा नमक के किए गए व्यापार की मात्रा विवरण में दी गई है।

विवरण

ऐसे उद्योगों की सूची जो कि नमक के उत्पादन में कार्यरत हैं, उक्त के द्वारा वर्ष 1997 में उपयोग किया गया नमक/व्यापार किए गए नमक की मात्रा दर्शाई गई है:

क्रम संख्या	कंपनी का नाम	1997 में नमक की ग्रहीत उपभोग (टन) में	1997 में घरेलू बाजार में बिक्री की गयी नमक की मात्रा (टन में)	देश में कुल नमक उत्पादन की तुलना में उपभोग/बेचे गये नमक की मात्रा की प्रतिभतता (% में)
1.	मै० टाटा केमिकल्स लिमिटेड	15,06,765	3,03,490	12.70
2.	मै० बल्लारपुर इंडस्ट्रीज लि०	1,12,232	शून्य	0.78
3.	मै० गुजरात हेवी केमिकल्स लि०	3,59,631	शून्य	2.52
4.	मै० सौराष्ट्र केमिकल्स लि०	2,22,368	शून्य	1.56
5.	मै० सेंचुरी केमिकल्स लि०	61,505	शून्य	0.43
6.	मै० कनोरिया केमिकल्स	34,356	शून्य	0.24
7.	मै० स्टैंडर्ड साल्ट वर्क्स (स्टैंडर्ड अल्कली लिमिटेड)	19,655	शून्य	0.14
8.	मै० डी सी डब्लू लिमिटेड, धरंगधा	1,39,631	शून्य	0.98
9.	मै० डी सी डब्लू लि०	90,000	शून्य	0.63
10.	मै० डी सी डब्लू लि० वेडरानाम	80,000	शून्य	0.56
	योग	**26,26,143**	**3,03,490**	**20.56**

Payment of wages to workers of BPMEL

2364. SHRI NILOTPAL BASU:
SHRIMATI CHANDRAKALA PANDEY:

Will the Minister of INDUSTRY be pleased to state:

(a) whether workers on the rolls of Bharat Process and Mechanical Engineers Ltd. (BPMEL) are not being paid their monthly wages;

(b) if so, the reasons therefor;

(c) whether employees are being paid the wages only when they are opting for VRS; and

(d) if so, the reasons for the differential treatment to the employees on roll and the VRS optees?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF INDUSTRY SHRI SUKHBIR SINGH BADAL): (a) Em-

ployees on the rolls of the company have been paid wages and salary upto November '98 on 10.12.98.

(b) to (d) Does not arise.

कोर सेक्टर में नकारात्मक विकास दर

2365. **श्री कपिल सिब्बल:**
श्री बलवन्त सिंह रामूवालिया:

क्या **उद्योग** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार का ध्यान दिनांक 26 नवम्बर, 1998 के "द इकोनामिक टाइम्स" में "कोर सैक्टर पोस्ट्स नैगेटिव ग्रोथ" शीर्षक से प्रकाशित समाचार की ओर दिलाया गया है;

(ख) यदि हां, तो क्या चालू वित्तीय वर्ष के विगत महीनों में मूल उद्योगों की विकास दर में भारी कमी आई है; और

(ग) यदि हां, तो इस संबंध में तथ्य क्या है और इन मूल उद्योग के उत्पादन में सरकारी तथा निजी क्षेत्र की भागीदारी का अलग-अलग वर्तमान प्रतिशत क्या-क्या है?

उद्योग मंत्री (श्री सिकन्दर बख्त): (क) और (ख) छः कोर सैक्टर का क्षेत्रवार तथा समग्र विकास निम्नानुसार है:—

आधार : 1993-94=100

(प्रतिशत परिवर्तन)

उद्योग	भार	1996-97	1997-98	1997-98 (अप्रैल-अक्तूबर)	1998-99 (अप्रैल-अक्तूबर)
कोयला	3.22	5.7	3.6	4.8	2.0
कच्चा तेल	4.17	-4.7	3.1	3.0	-3.7
विद्युत	10.17	3.8	6.5	6.9	6.3
इस्पात	5.13	5.7	3.5	6.6	-3.1
सीमेंट	1.99	9.6	9.1	7.4	2.7
पैट्रोलियम रिफाइनरी	2.00	7.0	3.6	5.0	2.3
समग्र	26.68	3.7	5.1	5.9	1.7

अप्रैल-अक्तूबर, 1998 के दौरान छः अवसंरचना उद्योगों का समग्र विकास 17% है जबकि पिछले वर्ष की तुलनात्मक अवधि के दौरान यह दर 5.9% थी। अप्रैल-अक्तूबर, 1998 के दौरान विद्युत, सीमेंट, कोयला तथा पैट्रोलियम रिफाइनरी उत्पादों में विकास सकारात्मक रहा है। तथापि, कच्चे तेल तथा इस्पात ने नकारात्मक वृद्धि दर्शाई है।

(ग) अप्रैल-नवम्बर, 1998 के दौरान सार्वजनिक तथा निजी क्षेत्रों का अंश निम्नानुसार है:—

(प्रतिशत)

उद्योग	(सार्वजनिक क्षेत्र)	(निजी क्षेत्र)
कोयला	98.2	1.8
विद्युत उत्पादन	93.0	7.0
इस्पात	32.8	67.2
सीमेंट	3.7	96.3
पैट्रोलियम रिफाइनरी	100.0	—
कच्चा तेल	90.0	10.0

*वर्ष 1997-98 के लिए

खाद्य प्रसंस्करण उद्योग में कुटीर उद्योग क्षेत्र की स्थापना करना

2366. **श्री बरजिन्दर सिंह:**
श्री कपिल सिब्बल:

क्या **उद्योग** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि सरकार ने देश में खाद्य प्रसंस्करण उद्योग में लघु और कुटीर उद्योग क्षेत्र स्थापित करके कम निवेश पर रोजगार के अधिक अवसर उपलब्ध करवाने की सम्भावना का पता लगाया है;

(ख) यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं;

(ग) यदि हां, तो क्या सरकार ने खाद्य प्रसंस्करण उद्योग में कुटीर और लघु उद्योगों की स्थापना को बढ़ावा